हिन्दी प्रार्थना

हम को मन की शक्ति देना, मन विजय करें
दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करें
हम को मन .....
भेद-भाव अपने दिल से साफ हम कर सकें
दोस्तों से भूल हो तो माफ हम कर सकें
झूठ से बचे रहें सच कदम भरें
दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करें
हम को मन .....
मुश्किलें पड़े तो हम पे इतना कर
साथ दें तो धर्म का चलें तो धर्म पर
खुद पे हौसला रहे बदी से न डरें
दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करें
हम को मन .....

हम होंगे कामयाब, हम होंगे कामयाब ,
हम होंगे कामयाब एक दिन,
हो-हो मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास,
हम होंगे कामयाब एक दिन ।
होगी शान्ति चारों ओर, होगी शान्ति चारों ओर,
होगी शान्ति चारों ओर एक दिन,
हो-हो मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
होगी शान्ति चारों ओर एक दिन,.....
हम चलेंगे साथ-साथ, ले के हाथों में हाथ,
हम चलेंगे साथ-साथ, एक दिन,
हो-हो मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
हम चलेंगे साथ-साथ, एक दिन।

भाव भीनी वंदना हे प्रभु हम तेरी करें
शुभ ज्योतिर्मय निरामय रूप अपने में निहारें
ज्ञान से हम निज को संवारे
दृष्टि से हम निज को निहारें
आचरण की उर्वरा में
लक्ष्यतरूवर लहलहाएँ
कर्म हो समता हमारा
धर्म हो समता हमारा
कर्मयोगी बन हृदय से
विजय का सम्मान पायें।

अल्लाह तेरों नाम ईश्वर तेरो नाम,
सबको सन्मति दे भगवान
अल्लाह तेरो नाम
ओ सारे जग के रखवाले
निर्बल को बल देने वाले
बलवानों को दे दे ज्ञान
सबको सन्मति दे भगवान
माँगों का सिंदूर ना छूटे
माँ बहनों की आस ना टूटे
देह बिना भटके ना प्राण
सबको सन्मति दे भगवान।

वह शक्ति हमें दो दयानिधे,
कर्तव्य मार्ग पर डट जायें,
पर सेवा पर उपकार में हम,
निज जीवन सफल बना जायें।

हम दीन दुःखी निबलों विकलों
के सेवक बन संताप हरें,
जो हैं अटके, भूले-भटके,
उनका तारें खुद तर जायें,

छल दम्भ द्वेष पाखण्ड झूठ,
अन्याय से निश दिन दूर रहें,
जीवन हो शुद्ध सरल अपना,
शुचि प्रेम सुधा रस बरसाएं,

निज आन मान मर्यादा का,
प्रभु ध्यान रहे अभिमान रहे,
जिस देशराष्ट्र में जन्म लिया,
बलिदान उसी पर हो जाएं,

वह शक्ति हमें दो दयानिधे,
कर्तव्य मार्ग पर डट जायें,
पर सेवा पर उपकार में हम,
निज जीवन सफल बना जाए।

इतनी शक्ति हमें देना दाता, मन का विश्वास कमजोर हो ना।
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे, भूल कर भी कोई भूल हो ना।।
इतनी शक्ति .....
दूर अज्ञान के हों अंधेरे, तू हमें ज्ञान की रोशनी दे।
हर बुराई से बचते रहें हम, जितनी भी दे भली ज़िन्दगी दे।।
बैर हो ना किसी का किसी से, भावना मन में बदले की हो ना।।
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे, भूल कर भी कोई भूल हो ना।।
इतनी शक्ति .....
हम न सोंचे हमें क्या मिला है, हम ये सोंचें किया क्या है अर्पण।।
फूल खुशियों के बाँटें सभी को, सबका जीवन ही बन जाये मधुबन।।
अपनी करूणा का रस तू बहाकर, कर दे पावन हर एक मन का कोना।
हम चले नेक रस्ते पे हमसे भूल कर भी कोई भूल हो ना।।
इतनी शक्ति हमें देना दाता, मन का विश्वास कमजोर हो ना।
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे, भूल कर भी कोई भूल हो ना।।
इतनी शक्ति .....

तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरू, तू ईशू मसीह, हर नाम में तू समा रहा।।
तेरी जात-पात कुरान में, तेरा दर्श वेद पुराण में।
गुरू ग्रुन्थ जी के बखान में, तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है .....
अरदास है कहीं कीर्तन, कहीं राम धुन कहीं आह्वान।
विधि वेद का है सब रचन, तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है .....
विधि देश जाति के भेद में, हमें मुक्त कर दो परमपिता।
तुझे देख पायें सभी में हम, तुझे देख पाएँ सभी जगह।
तू ही राम है .....